Fund in 13-5-1988. However, actual accruals on this basis have not taken place so far. Statewise accruals under Central Road Fund during last three years as per the Old Resolution are indicated in the statement attached.

Statement

Accrual of funds under Central Road Fund

(Rs. in lacs)

S.No.	Name of State	Accruals for the last three years (89-90, 90-91 and 91-92)
1	Andhra Pradesh	307.79
2	Arunachal Pradesh	10.07
3	Assam	83.83
4	Bihar	198.94
5	Goa	31.17
6	Gujarat	399.76
7	Haryana	149.12
8	Himachal Pradesh	27.82
9	Jammu & Kashmir	41.59
10	Karnataka	313.01
11	Kerala	213.26
12	Madhya Pradesh	235.53
13	Maharashtra	836.80
14	Manipur	15.82
15	Meghalaya	20.13
16	Mizoram	9.20
17	Nagaland	18.19
18	Orissa	76.71
19	Punjab	306.70
20	Rajasthan	181.78
21	Sikkim	4.32
22	Tamil Nadu	339.39
23	Tripura	10.07
24	Uttar Pradesh	478.92
25	West Bengal	215.20
26	A & N Island	2.88
27	Chandigarh	36.92
28	Dadra & Nagar Haveli	2.88
29	Daman & Diu	1.44
30	Delhi	488.04
31	Lakshadweep	—
32	Pondicherry	12.94

दिल्ली परिवहन निगम का पुनरुद्धार

2251. **श्री शांति त्यागी :**
श्री प्रमोद महाजन :
श्री वीरेन जे. शाह :

क्या **जल भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार दिल्ली परिवहन निगम को एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में बदलने और साथ ही इसकी भारी प्रशासनिक आधारभूत संरचना को कम करने का विचार रखती है ;

(ख) क्या सरकार दिल्ली परिवहन निगम को हो रहे सतत वित्तीय घाटों को ध्यान में रखते हुए उसका पुनरुद्धार करने का विचार रखती है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम द्वारा वर्षवार कितना घाटा उठाया गया और उसके क्या कारण है ;

(घ) क्या सरकार पूंजीगत पुनः संरचना के अलावा दिल्ली परिवहन निगम के फालतू कर्मचारियों और बस बेड़े में कमी करने, बस डिपुओं का वाणिज्यक उपयोग करने तथा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के अलावा सभी भर्तियों पर रोक लगाने का विचार रखती है ;

(ङ) इस समय अन्य महानगरीय बस सेवाओं तथा पल्लावन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन की तुलना में दिल्ली परिवहन निगम की बसों और कर्मचारियों का अनुपात कितना कितना है ;

(च) दिल्ली परिवहन निगम की कितनी बसें इस समय सड़क पर चल रही है, कितनी बसें बेकार पडी है तथा इसके अलाभकारी मार्गों का ब्यौरा क्या है ;

(छ) क्या यह सच है कि अल्पकालिक नीतियों, भारी प्रशासनिक बोझ, चोरी करने वाला संगठित गिरोह, वित्तीय घोटाले और सड़क परिवहन निगम का विकल्प खोजने में सरकार की असफलता दिल्ली परिवहन निगम की खराब स्थिति के लिए जिम्मेदार है ; और

(ज) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ज) सरकार, दिल्ली परिवहन निगम के पुनर्गठन के लिए एक अन्तर-सम्बद्ध पैकेज को अंतिम रूप दे रही है ताकि दिल्ली परिवहन निगम की दीर्घ-कालीन व्यवहार्यता सुनिश्चित की जा सके । दिल्ली परिवहन निगम को एक कंपनी के रूप में परिवर्तित करने संबंधी विकल्प उन विकल्पों में एक है जिन पर विचार किया जाएगा ।

पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम को हुए घाटे का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(करोड़ रु०)

वर्ष	कार्यशील घाटा	निवल घाटा (ब्याज तथा मूल्यह्रास हेतु प्रभारों सहित)
1989–90	56.87	119.85
1990–91	113.23	197.49
1991–92	83.86	203.82

घाटे के निम्नलिखित कारण हैं :—

(i) दिल्ली परिवहन निगम का अलाभप्रद किराया ढांचा,

(ii) श्रम तथा सामग्री की बढ़ती हुई कीमतें ।

(iii) छात्रों तथा समाज के कमजोर वर्गों को रियायती पासों के माध्यम से, दी जा रही रियायत ।

(iv) लिए गए ऋणों पर ब्याज का भारी बोझ इत्यादि ।

(घ) जी हां ।

(ङ) स्टाफ के अनुपात (90–91) के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :—

दि० प० नि०	9.4
बी० ई० ए० एस० टी०	11.2
पी० टी० सी० (मद्रास)	8
कलकत्ता (सी० एस० टी०)	11.8

(च) 22–7–1992 को दि०प०नि० के बेड़े में 4300 बसें थी जिनमें से 397 बसों का आवधिक निवारक रख-रखाव चालू मरम्मत इत्यादि के लिए डिपो में रोका गया था और 22 बसों को दुर्घटना संबंधी और अन्य बड़ी मरम्मतों के लिए रोका गया था । शेष 3881 बसें 749 नगर रूटों पर चल रही थी । दिल्ली परिवहन निगम के सभी रूट अलाभप्रद हैं

(छ) जी, नहीं ।

(ज) प्रश्न नहीं उठता ।

गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग

2252. **श्री विठ्ठलभाई मोती राम पटेल** : क्या **जल भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय राजमार्गों के संबंध में वर्ष 1991–92 और 1992–93 के दौरान गुजरात से कितने प्रस्ताव प्राप्त हुए है और ये प्रस्ताव किस क्षेत्र और किस सड़क से संबंधित हैं ;

(ख) संस्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और उनके लिए कितने धन का आवंटन किया गया है ;

(ग) राज्यों के उन राजमार्गों का ब्यौरा क्या है जिनका विकास किया जाएगा / जिनकी मरम्मत की जाएगी और आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि में जिन सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित किए जाने का प्रस्ताव है, उनका ब्यौरा क्या है ;

(घ) राज्य सरकार को संशोधन के लिए वापस किए गए प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और उनमें से कितने प्रस्ताव वापस मिल चुके हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ङ) शेष प्रस्तावों के संबंध में स्थिति क्या है ?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (ङ) 1991–92 और 1992–93 के दौरान (30–6–92) तक राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए गुजरात राज्य सरकार से कुल 72 अनुमान प्राप्त हुए थे । क्षेत्रवार ब्यौरे विवरण में दिए गए है । (नीचे देखिए) इनमें से 40 अनुमानों को स्वीकृति दी जा चुकी है जिनके ब्यौरे तथा उनके लिए किए गये आवंटनों का ब्यौरा विवरण 2 में दिया गया है (नीचे देखिए) शेष अनुमानों में से 19 अनुमानों को स्पष्टीकरण हेतु राज्य सरकार को लौटा दिया गया था और 13 अनुमानों पर विभिन्न स्तरों पर कार्यवाही की जा रही है ।

(ग) संवैधानिक दृष्टि से केंद्र सरकार मूलतः केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सडकों के लिए ही जिम्मेदार है । राष्ट्रीय राजमार्गों सहित अन्य सभी सडकों के विकास और रख-रखाव के लिए अनिवार्यतः संबंधित राज्य सरकारें ही जिम्मेदार हैं । आठवीं योजना के दौरान नए राष्ट्रीय राजमार्गों को घोषणा के संबंध में विभिन्न राज्य सरकारों ने लगभग 37,566 कि० मी० के कुल 135 प्रस्ताव भेजे हैं । इनमें गूजरात सरकार द्वारा भेजे गए 2271 कि० मी० लंबाई के 9 प्रस्ताव भी शामिल हैं । निर्धारित मानदंड के अनुसार इन प्रस्तावों की विस्तृत जांच करने के प्रयोजन से राज्य सरकार से अनुरोध किया गया था कि व निर्धारित प्रारूप में प्रत्येक प्रस्ताव के बारे में पूरे ब्यौरे औचित्य इत्यादि संबंधी सूचना भेजें । उनके राज्यों में यह सूचना अभी नहीं भजी है । संसाधनों का भी अभाव है । इस लिए आठवीं योजना में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के बारे में अभी से निर्णय लेना संभव नहीं है ।

विवरण–I

वर्ष 1991–92 या 1992–93 के दौरान गुजरात सरकार से प्राप्त प्रस्तावों की क्षेत्रवार एवं राष्ट्रीय राजमार्ग-वार स्थिति ।

क्षेत्र	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या	प्रस्तावों संख्या
उत्तरी गुजरात	8, 8सी, 14,15	19
दक्षिणी गुजरात	8, 8ए	36
सौराष्ट्र	8ए, 8बी	15
कच्छ	8ए, 15	2
	योग :	72